ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-७८
दिनांक- शुक्रवार, ०८ अक्टूबर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 78 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.0 एवं दोपहर में 36.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 39.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(09–13 अक्टूबर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 09–13 अक्टूबर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। पूर्वानुमान की अवधि में अगले १२–२४ घंटों में कुछ स्थानों पर हल्की या छिटपुट वर्षा हो सकती है। उसके बाद वर्षा की कोई सम्भावना नहीं है, मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 04–05 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक दिन पूरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- बालियाँ निकलने तथा दुध भरने की अवस्था वाली पिछात धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। धान की इस अवस्था में यह कीट पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दुग्धावस्था वाली धान की फसल में बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें।
- मसूर, मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- उचॉस खेतों में तोरी की बुआई शुरु करे। तोरी की आर०ए०यु०टी०एस०-१७,पंचाली, पी०टी०-३०३ एवं भवानी किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की अन्तिम जुताई के समय ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं २० से ३० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। जिंक की कमी वाले खेत में २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- मिर्च, फुलगोभी, टमाटर एवं बैगन की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। फुलगोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग-१, पूसा-२, पूसा स्नोवॉल-१६, पूसा स्नोवॉल के-१ की बुआई नर्सरी में करें।
- सितम्बर में बोयी गई अरहर की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। जून-जूलाई में बोयी गई अरहर में कीट-व्याधि का निरीक्षण करें।
- सब्जियों की नर्सरी एवं खड़ी फसलों जैसे बैगन, टमाटर एवं मिर्च में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- सब्जियों की फसल जैसे बैगन, टमाटर, फुल गोभी एवं मिर्च में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः 33.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी